बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-574**
22/11/2021

मुख्यमंत्री ने पटना के राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल तथा राजकीय तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिये निर्देश

पटना, 22 नवम्बर 2021 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल तथा राजकीय तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल परिसर के भ्रमण के दौरान द्रव्य गुण विभाग, संग्रहालय, प्रयोगशाला, सभागार, कक्षा, औषधि पैकिंग कक्ष, ओ0पी0डी0, एक्स–रे, शल्य चिकित्सा, पंचकर्म विभाग, राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी औषधि निर्माणशाला सहित अन्य चीजों का निरीक्षण कर विस्तृत जानकारी ली।

मुख्यमंत्री को द्रव्य गुण विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ0 भगवान सिंह एवं सहायक प्राध्यापक डॉ0 रमण रंजन ने औषधियों के उपयोग, विशेषता एवं उसके लाभ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि औषधियों के निर्माण के लिये ज्यादातर जड़ी–बूटियां राजगीर तथा बिहार के अन्य हिस्से से ही उपलब्ध हो जाती हैं। राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से लोग इलाज करा रहे हैं और काफी संख्या में लोग इससे लाभान्वित भी हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल भ्रमण के पश्चात् राजकीय तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल परिसर का भ्रमण किया और स्नातकोत्तर निर्माणाधीन भवन का भी निरीक्षण किया।

राजकीय तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल परिसर के कक्ष में आयुष प्रक्षेत्र की समीक्षात्मक बैठक हुई। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल तथा राजकीय तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल के एकेडमिक्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं वहां दी जा रही चिकित्सिकीय सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण के क्रम में मुख्यमंत्री को बताया गया कि राजकीय तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल देश का पहला सरकारी तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल है जिसकी स्थापना 29 जुलाई 1926 को की गयी थी, वहीं राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल देश के पुराने आयुर्वेदिक संस्थानों में से एक है, जिसकी स्थापना 26 जुलाई 1926 को की गयी थी।

मुख्यमंत्री के समक्ष राजकीय आर0बी0टी0एस0 होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, मुजफ्फरपुर, राजकीय महारानी रमेश्वरी भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, दरभंगा तथा राजकीय अयोध्या शिवकुमारी आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, बेगूसराय के मास्टर प्लान का भी प्रस्तुतीकरण दिया गया।

प्रस्तुतीकरण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल तथा राजकीय तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल विशिष्ट एवं बेहतर बनाने के लिए योजना बनाकर काम करें। भविष्य की जरुरतों को ध्यान में रखते हुए इस संस्थान को और महत्वपूर्ण बनाना है। यहां विशेषज्ञों को भी बुलाकर चिकित्सा पद्धति को और बेहतर बनाने के लिए काम करें ताकि लोगों के इलाज में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। उन्होंने कहा कि बेडों, डॉक्टरों, चिकित्साकर्मियों की संख्या बढ़ाने की जरुरत हो तो इसे बढ़ाएं साथ ही अन्य जरुरी

सुविधाओं हेतु सभी इंतजाम करें। रिसर्च विंग को भी प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की जड़ी बूटियों का नाम संस्कृत और हिन्दी में ही रखें ताकि लोगों को इसकी जानकारी में सहूलियत हो। राजगीर में आयुर्वेदिक औषधियों के पौधे को विशेषज्ञों द्वारा चिन्हित कर उन्हें सुरक्षित रखें। लोग इसका दवा के रुप में उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग एलोपैथिक के साथ–साथ आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक एवं यूनानी चिकित्सा पद्धति को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं, ताकि लोगों को इलाज में सहुलियत हो।

निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे, पथ निर्माण मंत्री श्री नितिन नवीन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक राज्य आयुष समिति श्री अरविंदर सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य डॉ0 सम्पूर्णानंद तिवारी, राजकीय तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य डॉ0 तबरेज अख्तर लारी सहित अन्य अधिकारीगण एवं वरीय प्राध्यापक एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

निरीक्षण के पश्चात पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी का निर्णय वर्ष 2016 का है। उसको लेकर जितना अभियान चला है आप सबलोग जानते हैं। इसको लेकर हमलोगों ने अब तक 9 बार समीक्षा बैठक की है। इस बार जो समीक्षा बैठक हुई है उसमें स्पष्टता के साथ हमने सारे अधिकारियों को कह दिया किए एक–एक चीज को देखिए। 26 तारीख को शराबबंदी को लेकर फिर एक बार शपथ ली जायेगी।

आज हमलोग दोनों कॉलेजों की स्थिति को देखने के लिए आए हैं। कई साल पहले हम यहां आए थे। स्वास्थ्य विभाग को इसको लेकर काम कर रहा है। इसी सिलसिले में हमलोग यहां देखने के लिए आए हैं। दोनों इंस्टीच्यूशन को हमने देख लिया और बातचीत हमलोगों ने कर लिया है। दोनों तरफ के चिकित्सकों से हर स्तर पर बातें हुई हैं। इस सबका हमलोग विस्तार करेंगे। देश में सबसे शुरुआती दौर में आयुर्वेद कॉलेज पटना में बना था। पटना के अलावे अन्य जगहों पर भी इस चिकित्सा पद्धति का विकास करेंगे। पटना के अलावा मुजफ्फरपुर, दरभंगा और बेगूसराय की स्थिति के बारे में भी हमलोगों ने समीक्षा कर ली है उसका भी विस्तार करेंगे। आज का हमलोगों का यही मकसद था। सबसे पुरानी चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद और यूनानी कॉलेज जो कि देश के पुराने संस्थानों में से एक हैं, इसका हमलोग और विस्तार कर रहे हैं। पी0एम0सी0एच0 के लिए काम हो रहा है, अन्य जगहों पर भी मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। इस प्रकार चिकित्सा और महाविद्यालयों का हमलोग विस्तार करेंगे। इस पर हमलोगों ने बातचीत कर ली है और इसका विधिवत ऐलान हमलोग कुछ दिन के बाद करेंगे। उन्होंने कहा कि राजगीर में होने वाले राष्ट्रीय आयुर्वेद पर्व के अवसर पर सारी बातें विस्तार से रखी जायेगी। हमलोगों ने तय किया है कि आयुर्वेद कॉलेज का हमलोग विस्तार करेंगे।

शराब को लेकर शादियों की पार्टी में पुलिस की छापेमारी के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को ऐसी शिकायतें मिली हैं कि कुछ लोग शादी के कार्यक्रम में भी दारु पिलाने का इंतजाम करते हैं। इस संबंध में पुलिस को सूचना मिलने पर छापेमारी की जा रही है। इसको लेकर किसी को भी चिंता नहीं करनी चाहिए। जो लोग शराब का सेवन नहीं करते हैं उनको इससे कोई दिक्कत नहीं है। पुलिस को शराब को लेकर कोई जानकारी मिली होगी, उसी के आधार पर छापेमारी की गई होगी। इसकी जानकारी मुझे नहीं है। समाचार में जो बाते सामने आती हैं उसको लेकर हमारे कार्यालय के अधिकारी पूछताछ करते हैं। शराबबंदी को लेकर प्रशासन को एक–एक चीज देखने की जिम्मेदारी दी गई है। शराब पीना और शराब उपलब्ध कराना गलत चीज है। यह अनैतिक और गैरकानूनी है। इस पर रोक

लगाना और लोगों को शराबबंदी के प्रति जागरुक करना हमारा मकसद है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी को लेकर पुलिस की छापेमारी से लोगों में भय नहीं बल्कि खुशी है। शराबबंदी को लेकर पूरे बिहार में फिर से अभियान चलाया जायेगा। हमलोग खुद बिहार के विभिन्न जगहों पर जाकर लोगों को शराबबंदी के प्रति जागरुक करेंगे। इससे लोगों में शराबबंदी के प्रति और जागरूकता आयेगी।

नेता प्रतिपक्ष द्वारा बिहार सरकार पर लगाये गये आरोप पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों को काम से कोई मतलब नहीं है। बिहार में कितना काम हो रहा है यह सभी लोगों को पता है। विभिन्न विभागों के मंत्री भी अपने–अपने काम में लगे रहते हैं। आगे और कैसे बेहतर काम हो इसको लेकर हमलोग विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि हर महीने के पहले तीन सोमवार को हम जनता से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान करते हैं। जनता की शिकायतों का अब तेजी से समाधान किया जा रहा है। जिनको बोलना है वो बोलते रहें। इसको लेकर हमें कोई दिक्कत नहीं है। बोलने का अधिकार सभी को है लेकिन काम करने की ड्यूटी सिर्फ हमलोगों की है। यह हमलोगों का कर्तव्य है। हमलोग अपने काम में लगे रहते हैं।

******